

## जब चिंता कोई सताए तो भजन करो

जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो,  
जब व्याकुल मन घबराए, तो भजन करो,  
जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो॥

भूल भुलैया सकल जगत है,  
हर एक प्राणी फिरत भटकत है,  
कोई राह नज़र ना आए, तो भजन करो,  
जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो॥

सुख आनंद की बेला में, कोई सुमिरण करता नहीं,  
पर करना चाहिए, करना चाहिए, करना चाहिए,  
स्वार्थ वस छल कपट झूठ से, कोई भी डरता नहीं है,  
पर डरना चाहिए, पर डरना चाहिए, पर डरना चाहिए,  
लगे दाग मन की चादर पर, धोलो नाम का साबुन घसकर,  
छिपे ना लाख छिपाए, तो भजन करो,  
जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो॥

मेरा मेरा किया उमर भर, कुछ भी नहीं है तेरा,  
सब यही पे छूटे, यही पे छूटे, यही पे छूटे,  
नाम के सच्चे मोती चुनले, बाँध ले अपने पल्ले,  
कोई ठगे ना लूटे, कोई ठगे ना लूटे,  
तू ही तू की मौज अलग है, पर तूने सोचा ये कब है,  
मैं से फुरसत मिल जाए, तो भजन करो,  
जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो॥

श्याम भजन में हो के मगन, और मन में फकीरी ठानो,  
श्याम को बिसरो ना पल भी, बिसरो ना पल भी,  
बिसरो ना पल भी, बिसरो ना पल भी,  
अपने सुख दूजो की झोली, पीर पराई जानो फिर,  
आज भी कल भी, आज भी कल भी,  
भेद भजन का सरल ना जाना,  
आप गवां के श्याम को पाना,  
गर बात समझ में आए, तो भजन करो,  
जब चिंता कोई सताए, तो भजन करो॥

सिया राम, सिया राम, सिया राम.....  
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम.....

स्वर : [लखबीर सिंह लक्खा](#)

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |